विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

गिरती प्रजनन दर भविष्य का नया संकट

दुनिया के देशों के सामने जनसंख्या नीति के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। दक्षिण कोरिया, चीन, फ्रांस, इटली, स्पेन, पुर्तगाल सहित दुनिया के अनेक देश घटती जन्म दर से दो–चार हो रहे हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार दुनिया के 124 देशों में जनसंख्या दर में गिरावट दर्ज की जा रही है। खासतौर से विकसित देशों में जनसंख्या दर में तेजी से गिरावट आ रही है। विशेषज्ञों की माने तो यही हालात रहे तो दक्षिण कोरिया और सर्बिया आदि के सामने तो 2100 तक अस्तित्व का ही संकट आ सकता है। माना जा रहा है कि यही ट्रेंड रहा तो 2100 तक दक्षिण कोरिया की आबादी 5.1 करोड़ से घटकर इसकी तिहाई रह जाएगी। खास बात यह कि बुजुर्गों की आबादी तो बढ़ेगी पर युवाओं की आबादी बहुत कम रह जाएगी।

लैसेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार 2100 तक दुनिया के देशों में प्रजनन दर 1.6 रह जाएगी। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था, देशों के बीच परस्पर शक्ति संतुलन, खद्य, पर्यावरण, स्वास्थ्य आदि–आदि प्रभावित होंगे। दरअसल 1950 में दुनिया के देशों में औसत प्रजनन दर 5 बच्चे थी जो 2021 आते–आते 2.1 रह गई है। विशेषज्ञों की माने तो यह प्रजनन दर 2050 तक घटकर 1.8 रह जाएगी और 2100 तक 1.6 रह जाएगी। इससे तेजी से आबादी तो नियंत्रित हो जाएगी पर इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि पश्चिमी व पूर्वी उप सहारा क्षेत्र अफ्रीका के देशों में प्रजनन दर में उतनी गिरावट नहीं होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि मानव जाति के लिए 2.1 प्रजनन दर होना जरुरी है। चीन, कोरिया सहित अनेक देशों में यह दर कम होती जा रही है। यही कारण है कि चीन सहित अनेक देशों ने अपनी जनसंख्या नीति में परिवर्तन किया है। अब चीन कोरिया सहित अनेक देश अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने लगे हैं। चीन में एक बच्चे की नीति के कारण जनसंख्या तो नियंत्रित हो गई पर उस के परिणाम खासतौर से युवा पीढ़ी के कम होने के कारण दो बच्चों और फिर उसमें भी सफलता नहीं मिलने पर तीन बच्चों की नीति लागू की गई है।

एक बच्चे की नीति को तो करीब-करीब सभी देश त्यागने ही लगे हैं क्योंकि यह लगने लगा है कि अगला दशक कहीं बुजुर्गो का दशक ना हो जाए। सरकारों के सामने इससे गंभीर संकट के हालात इस मायने में हो जाएंगे कि उत्पादक जेनरेशन यानी की युवा कम होते जाएंगे और बुजुर्ग अधिक हो जाएंगे। इससे सामाजिक ताने-बाने के साथ ही उत्पादकता सहित अनेक विसमताएं सामने आने लगेगी।

दरअसल दुनिया के देशों में बुजुर्गों की आबादी तेजी से बढ़ती जा रही हैं वहीं जिस तरह के परिणाम सामने आ रहे हैं उससे साफ हो जाता है कि कामकाजी युवाओं की संख्या कम से कम होती जाएगी। यह दुनिया के देशों के सामने बड़ा संकट दिखाई देने लगा है। यही कारण है कि चीन सहित दुनिया के देश अब आबादी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देने लगे हैं। एक या दो बच्चों की नीति को त्यागकर तीन बच्चों तक की नीति को अपनाने लगे हैं। दक्षिण कोरिया माता–पिता को बच्चे के जन्म से लेकर सात वर्ष का होने तक विभिन्न प्रकार की प्रोत्साहन ओर सहायता योजना में 35 से 50 युआन तक दे रहे हैं। इसी तरह से योरोप के कई देश अपने नागरिकों को प्रोत्साहित करने के कई कार्यक्रमों का संचालन कर प्रोत्साहित करने लगे हैं।

प्रजनन दर कम होने के पीछे जहां दुनिया के देशों की आबादी को नियंत्रित करने की नीति रही वहीं अब जनंसख्या नियंत्रित होने के कई कारणों में से एक कारण आधुनिक जीवन शैली, रहन–सहन, मंहगाई, शिक्षा स्वास्थ्य व आवास जैसी समस्याएं आदि प्रमुख है। इसके साथ ही शैक्षिक स्तर बढ़ने और सोच में बदलाव भी एक बड़ा कारण है। देखा जाए तो अब भारत सहित दुनिया के देशों में बाल विवाह में कमी, आत्मनिर्भर होने पर विवाह बंधन में बंधने की प्रवृति, महिलाओं में भी शादी के प्रति अनिच्छा, या फिर अधिक उम्र में शादी करना, एक सर्वे के अनुसार हांलाकि यह अतिशयोक्तिपूर्ण हो सकता है कि आज की पढ़ी–लिखी महिलाएं शादी तो करना चाहती है पर बच्चे पैदा करने, उनके लालन–पालन और घर गृहस्थी को बोझ मानने की मानसिकता भी एक कारण होती जा रही है। इस सबसे अलग दुनिया के किसी भी कोने को ले लो अब हालात यह हो गए हैं कि आधुनिकता और जीवन स्तर के चलते कोस्ट ऑफ लिविंग यानी की रहन–सहन का खर्च बढ़ गया है और एक बड़ा कारण यह है कि लोग परिवार को सीमित रखने व देरी से शादी लिविंग स्टेण्डर्ड के कारण प्रमुखता देने लगे हैं। हांलाकि जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं उससे दुनिया के सभी देश चिंतित हो गए हैं। एक बच्चे की नीति को तो करीब–करीब सभी देश त्यागने ही लगे हैं क्योंकि यह लगने लगा है कि अगला दशक कहीं बुजुर्गों का दशक ना हो जाए।

सरकारों के सामने इससे गंभीर संकट के हालात इस मायने में हो जाएंगे कि उत्पादक जेनरेशन यानी की युवा कम होते जाएंगे और बुजुर्ग अधिक हो जाएंगे। इससे सामाजिक ताने–बाने के साथ ही उत्पादकता सहित अनेक विसमताएं सामने आने लगेगी। आज क्रोसिया, ग्रीस, इटली, मालटा, पुर्तगाल, स्लोवानिया आदि दक्षिण योरोप के देशों में 65 साल से अधिक की आबादी 21 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जापान में 29 प्रतिशत तो मोनाको में 36 प्रतिशत आबादी 65 साल से अधिक के नागरिकों की हो गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि स्वास्थ्य बेहतरी के चलते औसत उम्र में बढ़ोतरी हुई है। यहां बुजुर्ग आबादी को लेकर कोई नकारात्मक सोच भी नहीं है पर जिस तरह से प्रजनन दर कम हो रही है और आने वाले समय में संकट दिखाई दे रहा है उसी को लेकर चिंता है और इसे लेकर सरकारो, समाज चिंतकों, मनोविज्ञानियों सहित समाज के सभी वर्गों को विचार करना होगा ताकि समय रहते संतुलन बनाए रखा जा सकें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 16 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र दिन 11:17 तक, आयुष्मान योग रात्रि 1:06 तक, वणिज करण दिन 3:45 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:17 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मकर, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–कर्क, बुध–धनु, गुरू–वृष, शुक्र–कुम्भ, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 11:45 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 3:45 से रात्रि 4:07 तक रहेगी। आज सौभाग्य सुन्दरी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:40 तक, चर 11:18 से 12:36 तक, लाभ–अमृत 12:36 से 3:14 तक, शुभ 4:33 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:52

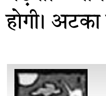

मेष
घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

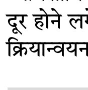

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आय में वृद्धि होगी।

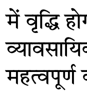

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

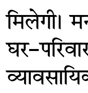

कर्क
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

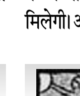

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

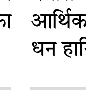

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय रहेगा।

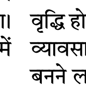

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

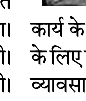

वृश्चिक
परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के लिए सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए समय ठीक है।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

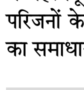

मकर
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

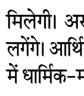

कुंभ
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त–व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर–परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

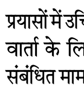

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

यह पूर्णत: महत्वहीन है कि किस पूर्व सांसद, पार्टियों के नेताओं ने कब किस महिला के लिए आपत्ति वाली बातें कही

महत्वपूर्ण यह है कि राजनीतिक दल कैसे निम्न स्तरीय कार्यकर्ता, नेता तैयार कर रहे हैं और ऐसों के विरुद्ध कार्यवाही से क्यों हिचकिचाते हैं?

महावीर सिंह

अभी कुछ दिन पहले एक अत्यंत सम्माननित महिला जो संसद होने के साथ–साथ एक बड़ी पार्टी की पदाधिकारी रह चूंकि है और सबसे उपर एक शाहिद पूर्व प्रधानमंत्री की पुत्री भी है, के सम्बंध में एक पूर्व सांसद नें बेहद घटिया टिप्पणी की। यह सांसद पूर्व में अपने एक सम्मानित साथी सांसद के सम्बंध में भी सदन में ऐसी ही टिप्पणी लर चुके हैं। उनकी भाषा उनकी शिक्षा–दीक्षा व संस्कारों की परिचायक है। लो जी, उसकी पार्टी नें तो उफ तक नही किया। इसी पूर्व सांसद को अब दिल्ली की विधानसभा के होने वाले चुनावों में बतौर इनाम विधायक का चुनाव लड़ाया जा रहा है।

भारत की राजनीति में इस से पहले भी अनेक सम्माननित महिलाओं, सांसदों के सम्बंध में संसद में या सार्वजनिक मंचों में भद्दी से भद्दी भाषा काम में ली जा चुकी है। नाम गिनाने की आवश्यकता नहीं। संसद में तो महिलाओं के प्रति ही नहीं, अन्य सांसदों तक के लिए आधारहीन, आपत्तिजनक बातें कही जाती रही है।

प्रश्न यह भी है कि ऐसे राजनेता लोग, इतनी उच्चपदस्थ/सम्मानित महिलाओं के सम्बंध इस प्रकार की निकृष्ठ भाषा काम में ले सकते है तो अत्यंत सामान्य, गरीब, मजदूर महिलाओं के प्रति उनकी भाषा कैसी हो सकती है? महिलाओं के सम्बंध में ही नही, विभिन्न राजनीतिक दलों के छोटे–बड़े तथाकथित नेता तथा विधायको, सांसदों व मंत्रियों तक निम्नस्तरीय, अमर्यादित, असंवैधानिक भाषा सार्वजनिक मंचों से भी एक–दूसरे के लिए बोलते रहे है। आइए, इस पर विचार करें कि सांसद आदि अपना पद ग्रहण करने से पूर्व क्या शपथ लेते है। यह शपथ है:–

"मैं–––––का सदस्य निर्वाचित हुआ हूँ, ईश्वर की शपथ लेता हूँ (या से सत्य निष्ठा प्रतिज्ञान करता हूँ कि मैं विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा, में भारत की प्रभुता और अखण्डता अक्षुण रखूंगा तथा मैं श्रद्धापूर्वक अपने कर्तव्यों पालन करूंगा।" पाठक स्वयं ही प्रश्न करके कि क्या इस प्रकार के विधायक या सांसद सँविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा रखते हैं या नही? क्या इस प्रकार के जन प्रतिनिधियों की सदस्यता, सम्बंधित सदन द्वारा समाप्त की जानी चाहिए या नहीं ? क्या ऐसे लोग, ऐसे प्रतिष्ठित पदों पर चुने भी जाने चाहिए क्या? क्या ऐसे लोगों से संवैधानिक मूल्यों, परिपाटियों की रक्षा की तनिक भी आशा की जा सकती है?

अगर मंत्री सँविधान द्वारा स्थापित मूल्यों के विपरीत भाषण देते है, कृत्य करते तो वे मंत्री रहने भी चाहिए क्या? उनको आम आदमी थोड़े ही हटा सकता है। उन्हें तो पीएम या सीएम ही हटा सकते है, तो पाठक विचार करे कि ऐसे न करने की कोई मजबूरी होती है या यह उनको ऐसा करते रहने का प्रोत्साहन है। राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता सारी नफरती, खुराफाती, अमर्यादित बातें करते है किन्तु यह नेता लोग भारत के सँविधान की धारा 51A की बात कभी क्यों नहीं करते?

धारा 51A(e) में नागरिकों के ऐसे व्यवहार की अपेक्षा की गई है कि ऐसी भाषा, व्यवहार जो महिलाओं के मान, प्रतिष्ठा को नीचा दिखाने वाला हो, उसे ख़ारिज करेंगे, उसकी उपेक्षा करेंगे। धारा 51A(a) प्रत्येक भारतीय से यह अपेक्षा की गई है कि वह सँविधान में उल्लेखित आदर्शों की पालना करेंगे।

संविधान की इस धारा में वैज्ञानिक सोच, आपसी भाईचारे की भावना विकसित करने पर जोर है अर्थात बहुत सी दूसरी बातों के साथ साथ पाखंडों से परहेज करने की और आपसी भाईचारे की बातें भी है।

कोई पाखंडों का विरोध क्यों नही करता? इनके विरुद्ध आंदोलन क्यों नहीं चलते? छोटी–छोटी महत्वहीन बातों पर आए दिन धरने प्रदर्शन होते रहते है तो फिर जब कभी किसी जाति–धर्म विशेष को लेकर तनाव उतपन्न करने वाली बातें, आस्था, धर्म के नाम पर पूर्णत: आधारहीन, कपोलकल्पित बातें कही जाती है, मिडिया उन्हें प्रचारित–प्रसारित करने में कसर नहीं छोड़ता। तो राजनीतिक दल, तथाकथित कई सामाजिक सांस्कृतिक संगठन कोई आंदोलन, धरना–प्रदर्शन क्यों नहीं करते? कभी एससी, एसटी के सदस्यों के विरुद्ध होने वाले अमानुषी अत्याचारों, व्यवहारों के विरुद्ध इन तथाकथित सांसदों, मंत्रियों, संगठनों आदि की आवाज फुस्स क्यों हो जाती है? मोबलिंचिंग की घटनाओं पर यह लोग मौनवृत क्यों धारण कर लेते है? तिरुपति में 6 आदमी किसी विशेष समय पर दर्शन के लिए लाइन में लगे लगे भगदड़ के कारण मर जाते है? यह कोई एक स्थान विशेष की बात नही, आए दिन जगह–जगह इस प्रकार की घटनाएं होती हैं। किसी पवित्र स्थान, मंदिर, धर्म स्थान पर किसी विशेष समय पर दर्शन, पूजा से ही किसी विशेष बात–फल की प्राप्ति हो जाती है क्या? फिर तो कुछ भी करने की जरूरत ही क्या, दर्शन करो और मोजां ही मोजां? ऐसे दर्शनों का क्या औचित्य है? इनका कभी कोई नेता, संगठन विरोध करते क्यों नहीं दिखते? यक्ष प्रश्न यह है कि कभी ऐसे नेताओं, कार्यकर्ताओं के विरुद्ध पार्टियों का शीर्ष नेतृत्व तत्काल सख्त कार्यवाही क्यों नहीं करता? उन्हें पार्टियां निकाल बाहर क्यों नहीं करती? उन्हें चुनाव क्यों लड़ाती हैं? हत्या, रेप जैसे घृणित आपराधिक पृष्ठभूमि वालों को चुनाव की उम्मीदवारी क्यों?

क्या सदन इतने शक्तिहीन हैं कि ऐसे बेलगाम लोगों के विरुद्ध कोई कार्यवाही करने में असक्षम है? ऐसा तो हो नही सकता। सदनों के अधिकार बहुत अधिक है––

सदन चाहें तो प्रस्ताव पास कर सँविधान की मर्यादाओं के विपरीत आचरण करने वालों की सद्स्यता समाप्त कर सकते है या कुछ समय के लिए उन्हें कार्यवाही में हिस्सा लेने से रोक सकते है। क्या ऐसे नेताओं को चुनने या उन्हें महिमामण्डित करने में जनता का कोई दोष नही?

कई बार तो जनता के सामने भी दुविधा होती है––आमने–सामने की दोनों ही उम्मीदवार एक जैसे घटिया हों तो फिर जनता क्या करे? क्या नोटा विकल्प को ज्यादा प्रभावकारी बनाने की आवश्यकता नहीं है क्या? किन्तु हमेशा तो ऐसी स्थिति नहीं होती।

–महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

सरकारी स्कूलों के स्टूडेंट्स के खाते में यूनीफॉर्म और बैग के लिए रुपए जमा होंगे

सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के स्टूडेंट्स को एक-एक हजार रुपए देने की घोषणा बजट में की थी

बीकानेर, (निसं)। राज्य की भाजपा सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के स्टूडेंट्स को स्कूल बैग और यूनीफॉर्म खरीद के लिए प्रत्येक स्टूडेंट को एक–एक हजार रुपए देने की घोषणा बजट में की थी। अब वित्त विभाग ने इसी घोषणा के तहत हर स्टूडेंट को आठ–आठ सौ रुपए देने के आदेश दिए हैं। सेशन समाप्त होने से कुछ समय पहले यूनीफॉर्म के लिए रुपए दिए जा रहे हैं, उसमें भी दो सौ रुपए की कटौती कर दी गई है। प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक ने मंगलवार रात इस संबंध में आदेश जारी किए।

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने आदेश में कहा है कि वर्ष 2024–25 के बजट भाषण में कहा गया था कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के छात्र–छात्राएं स्कूल में हीन भावना से ग्रस्त न हो तथा उन्हें भी शिक्षा के लिए आवश्यक स्कूल, बैग, किताब तथा यूनीफॉर्म उपलब्ध हो सके, इस दृष्टि से राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा एक से

■ अब वित्त विभाग ने इसी घोषणा के तहत क्लास एक से आठ तक के हर स्टूडेंट को आठ-आठ सौ रुपए देने के आदेश दिए हैं

आठवीं तक के समस्त विद्यार्थियों तथा कक्षा नौ से बारहवीं तक की छात्राओं को अगले वर्ष प्रति विद्यार्थी एक हजार रुपए की सहायता प्रदान करने की घोषणा हुई थी। इस संबंध वित्त विभाग ने बालक–बालिकाओं को यूनीफॉर्म (सिलाई सहित) एवं स्कूल बैग के लिए सहायता राशि के रूप में आठ सौ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसमें किताबों का खर्च शामिल नहीं है।

निदेशालय ने फिलहाल राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में क्लास एक से आठ तक पढ़ने वाले सभी स्टूडेंट्स को यूनीफॉर्म और बैग के लिए आठ सौ रुपए देने के आदेश दिए हैं। ये राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर) के तहत स्टूडेंट के खाते में जमा होंगी। इस योजना से प्रदेश के सत्तर लाख स्टूडेंट्स को लाभ मिलने वाला है। फिलहाल प्रारम्भिक शिक्षा से जारी आदेश के बाद अब इन स्कूलों में पढ़ने वाले 57 लाख स्टूडेंट्स के बैंक खातों में ये राशि ट्रांसफर हो सकेगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक इसके लिए अलग से आदेश जारी करेंगे तब नौवी से बारहवीं में पढ़ने वाली छात्राओं को आठ सौ रुपए ट्रांसफर होंगे।

बाड़मेर–जोधपुर से कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन 19 को

जोधपुर से रात्रि 9.30 बजे करेगी प्रस्थान, चार स्लीपर और बारह जनरल कोच होंगे

जोधपुर, (कासं)। कुंभ मेला में यात्रियों के आवागमन की सुविधा को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा 19 जनवरी को कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। ट्रेन बाड़मेर से प्रस्थान कर जोधपुर–जयपुर–आगरा के रास्ते प्रयागराज होते हुए बरौनी तक जाएगी।

जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि रेल प्रशासन द्वारा प्रयागराज कुंभ मेला–2025 में श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा को देखते हुए बाड़मेर–बरौनी–बाड़मेर कुंभ मेला स्पेशल (1 ट्रिप) 19 जनवरी को बाड़मेर से संचालित की जाएगी। सिंह ने बताया कि ट्रेन 04811, बाड़मेर से 19 जनवरी को सायं 5.30 बजे प्रस्थान कर रात्रि 9.20 जोधपुर आगमन व 9.30 बजे प्रस्थान तथा 20 जनवरी को शाम 7 बजे प्रयागराज जंक्शन पर आगमन व 7.10 बजे प्रस्थान कर 21 जनवरी सुबह 9 बजे बरौनी पहुंच जाएगी। वापसी में ट्रेन 04812, बरौनी से 21 जनवरी को रात्रि 11 बजे प्रस्थान कर 22 जनवरी सुबह 11.10 बजे प्रयागराज आगमन व 11.20 बजे प्रस्थान तथा 23 जनवरी को सुबह 8.45 बजे जोधपुर आगमन व 8.55 बजे प्रस्थान कर दोपहर 1 बजे बाड़मेर पहुंच जाएगी। ट्रेन में यात्री सुविधा हेतु 4 स्लीपर व 12 जनरल श्रेणी के डिब्बे होंगे।

पंकज कुमार सिंह ने बताया कि ट्रेन आवागमन में बालोतरा, समदड़ी, जोधपुर, मेड़ता रोड, डेगाना, मकराना, फुलेरा, जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, आगरा फोर्ट, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर,पाटलिपुत्र व हाजीपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

चिकित्सा विभाग ने 240 किलो घी सीज किया

चिकित्सा विभाग की टीम ने घी सीज किया और अन्य खाद्य पदार्थों की जांच-पड़ताल की।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलेक्टर नमित मेहता के निर्देश पर फूड सेफ्टी एक्ट अधिनियम के तहत चिकित्सा विभाग की टीम ने सरदार नगर शहर की कृषि मंडी स्थित जय भोलेनाथ शुगर ट्रेडिंग कंपनी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 240 किलो घी सीज किया।

सीएमएचओ डॉ. सीपी गोस्वामी ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और कंपनी के अन्य खाद्य पदार्थों की जांच–पड़ताल की। इस दौरान कंपनी से घी, रिफाइंड तेल और चाय के नमूने लिए। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह सोलंकी, सहायक कर्मचारी गोपाल शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, घी की गुणवत्ता पर शिकायतें मिलने के बाद चिकित्सा विभाग की टीम ने अचानक कंपनी पर छापा मारा। जांच के दौरान सरस घी के सैंपल लिए गए, जो कि अलग–अलग बैच के थे, जिनकी गुणवत्ता खाद्य सुरक्षा अधिनियम के निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरी। इसके चलते सरस घी के 16 पीपे घी को सीज कर दिया गया।

सीएमएचओ डॉ. गोस्वामी ने बताया कि उपभोक्ताओं की स्वास्थ्य सुरक्षा विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी खाद्य सामग्री उत्पादकों को चेतावनी दी कि गुणवत्ता में किसी भी तरह की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस कार्रवाई से क्षेत्र के व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। विभाग ने सैंपल की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करने की बात कही है।

साइबर अपराध को लेकर जानकारी दी

उदयपुर, (निसं)। हाथीपोल थाना पुलिस ने साईबर अपराध एवं यातायात जागरूकता के लिए बैठक आयोजित हुई। पुलिस मुख्यालय जयपुर की ओर से सड़क सुरक्षा, मादक पदार्थ तथा साइबर अपराध को लेकर चलाए जा रहे अभियान के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र के मार्गदर्शन में बुधवार को हाथीपोल थानाधिकारी द्वारा रेजीडेंसी राजकीय बालिका उमावि. एवं गुरू गोविंद सिंह राजकीय उमावि. में बैठक का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राजकीय गुरू गोविन्दसिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज पटेल, रेजीडेंसी प्रधानाचार्या रंजना मिश्रा मय स्टाफ व छात्र मौजूद रहे। इस अवसर पर हाथीपोल थानाधिकारी आदर्श कुमार ने साइबर अपराध, कैसे व क्यो होता है इस संबंध में तथा इससे बचने के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर जागरूक किया गया तथा मोबाइल की उपयोगिता के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान सड़क सुरक्षा माह के संबंध में यातायात संकेतों, नियमों, बिना लाईसेंस के दुपहिया वाहन नहीं चलाने, वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग कर उससे होने वाले लाभ, तीन सवारी वाहन पर नहीं बैठाने, ऑवर स्पीड से वाहन चलाने पर होने वाले दुष्परिणाम के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान थानाधिकारी आदर्श कुमार ने वाहनों के रखरखाव, सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया। साथ ही राजकॉप सिटीजन तथा 112 एप के उपयोग व उसकी उपयोगिता की जानकारी दी। इस दौरान थानाधिकारी ने पोक्सों एक्ट के बारे में तथा अपने निवास व शिक्षण संस्थान के पास होने वाले अपराधों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने का आग्रह किया।

■ साइबर अपराध, कैसे व क्यो होता है, इस संबंध में तथा इससे बचने के उपायों के बारे में जानकारी दी